

01/06/2016

Note on Missing Data

On compiling data regarding ISBN numbers, the National Book Council was unable to trace all the pertinent data relating to the ISBN numbers supplied to publishers and author-publishers by previous administrations. Therefore, the NBC is kindly soliciting publishers and author-publishers in receipt of the ISBN numbers listed below to provide the NBC with the basic details of their publications by informing Mr. Michael Mercieca at the NBC, email: michael.mercieca@gov.mt Details should contain the following in this order: ISBN number, Title of Publication, Author or Editor, Year of Publication, name of Illustrator or Photographer (if any) and Printer.

978-99932-0-263-9	978-99957-0-002-7
978-99932-0-264-6	978-99957-0-004-1
978-99932-0-267-7	978-99957-0-007-2
978-99932-0-300-1	978-99957-0-008-9
978-99932-0-305-6	978-99957-0-009-6
978-99932-0-308-7	978-99957-0-011-9
978-99932-0-309-4	978-99957-0-012-6
978-99932-0-311-7	978-99957-0-015-7
978-99932-0-319-3	978-99957-0-016-4
978-99932-0-323-0	978-99957-0-019-5
978-99932-0-325-4	978-99957-0-021-8
978-99932-0-332-2	978-99957-0-026-3
978-99932-0-350-6	978-99957-0-027-0
978-99932-0-352-0	978-99957-0-028-7
978-99932-0-357-5	978-99957-0-031-7
978-99932-0-360-5	978-99957-0-032-4
978-99932-0-361-2	978-99957-0-038-6
978-99932-0-362-9	978-99957-0-042-3
978-99932-0-365-0	978-99957-0-044-7
978-99932-0-372-8	978-99957-0-045-4
978-99932-0-375-9	978-99957-0-057-7
978-99932-0-376-6	978-99957-0-060-7
978-99932-0-380-3	978-99957-0-062-1
978-99932-0-391-9	978-99957-0-063-8
978-99932-0-394-0	978-99957-0-065-2
978-99932-0-395-7	978-99957-0-071-3

978-99932-0-398-8
978-99932-0-402-2
978-99932-0-403-9
978-99932-0-406-0
978-99932-0-409-1
978-99932-0-415-2
978-99932-0-418-3
978-99932-0-430-5
978-99932-0-433-6
978-99932-0-447-3
978-99932-0-453-4
978-99932-0-457-2
978-99932-0-461-9
978-99932-0-464-0
978-99932-0-472-5
978-99932-0-473-2
978-99932-0-474-9
978-99932-0-476-3
978-99932-0-481-7
978-99932-0-483-1
978-99932-0-486-2
978-99932-0-488-6
978-99932-0-490-9
978-99932-0-491-6
978-99932-0-493-0
978-99932-0-494-7
978-99932-0-496-1
978-99932-0-499-2
978-99932-0-500-5
978-99932-0-512-8
978-99932-0-513-5
978-99932-0-514-2
978-99932-0-520-3
978-99932-0-521-0
978-99932-0-524-1
978-99932-0-526-5
978-99932-0-530-2
978-99932-0-537-1
978-99932-0-538-8
978-99932-0-547-0
978-99932-0-552-4
978-99932-0-553-1
978-99932-0-557-9
978-99932-0-561-6
978-99932-0-566-1
978-99932-0-568-5
978-99932-0-569-2
978-99932-0-571-5
978-99932-0-576-0
978-99932-0-580-7
978-99932-0-582-1

978-99957-0-072-0
978-99957-0-074-4
978-99957-0-077-5
978-99957-0-078-2
978-99957-0-080-5
978-99957-0-086-7
978-99957-0-088-1
978-99957-0-089-8
978-99957-0-090-4
978-99957-0-091-1
978-99957-0-097-3
978-99957-0-099-7
978-99957-0-100-0
978-99957-0-105-5
978-99957-0-106-2
978-99957-0-107-9
978-99957-0-111-6
978-99957-0-112-3
978-99957-0-113-0
978-99957-0-116-1
978-99957-0-117-8
978-99957-0-121-5
978-99957-0-122-2
978-99957-0-123-9
978-99957-0-124-6
978-99957-0-126-0
978-99957-0-127-7
978-99957-0-128-4
978-99957-0-130-7
978-99957-0-133-8
978-99957-0-135-2
978-99957-0-136-9
978-99957-0-138-3
978-99957-0-139-0
978-99957-0-140-6
978-99957-0-141-3
978-99957-0-142-0
978-99957-0-143-7
978-99957-0-144-4
978-99957-0-145-1
978-99957-0-146-8
978-99957-0-147-5
978-99957-0-148-2
978-99957-0-149-9
978-99957-0-150-5
978-99957-0-152-9
978-99957-0-153-6
978-99957-0-154-3
978-99957-0-155-0
978-99957-0-156-7
978-99957-0-157-4

978-99932-0-583-8
978-99932-0-586-9
978-99932-0-588-3
978-99932-0-589-0
978-99932-0-591-3
978-99932-0-602-6
978-99932-0-608-8
978-99932-0-614-9
978-99932-0-615-6
978-99932-0-616-3
978-99932-0-620-0
978-99932-0-624-8
978-99932-0-625-5
978-99932-0-626-2
978-99932-0-628-6
978-99932-0-630-9
978-99932-0-632-3
978-99932-0-634-7
978-99932-0-635-4
978-99932-0-636-1
978-99932-0-640-8
978-99932-0-643-9
978-99932-0-644-6
978-99932-0-646-0
978-99932-0-647-7
978-99932-0-649-1
978-99932-0-652-1
978-99932-0-655-2
978-99932-0-658-3
978-99932-0-662-0
978-99932-0-663-7
978-99932-0-665-1
978-99932-0-668-2
978-99932-0-670-5
978-99932-0-673-6
978-99932-0-676-7
978-99932-0-681-1
978-99932-0-682-8
978-99932-0-685-9
978-99932-0-690-3
978-99932-0-699-6
978-99932-0-701-6
978-99932-0-703-0
978-99932-0-707-8
978-99932-0-708-5
978-99932-0-717-7
978-99932-0-718-4
978-99932-0-721-4
978-99932-0-722-1
978-99932-0-724-5
978-99932-0-729-0

978-99957-0-158-1
978-99957-0-159-8
978-99957-0-161-1
978-99957-0-163-5
978-99957-0-170-3
978-99957-0-171-0
978-99957-0-173-4
978-99957-0-179-6
978-99957-0-180-2
978-99957-0-181-9
978-99957-0-183-3
978-99957-0-186-4
978-99957-0-187-1
978-99957-0-189-5
978-99957-0-190-1
978-99957-0-194-9
978-99957-0-195-6
978-99957-0-196-3
978-99957-0-205-2
978-99957-0-213-7
978-99957-0-214-4
978-99957-0-219-9
978-99957-0-220-5
978-99957-0-221-2
978-99957-0-222-9
978-99957-0-223-6
978-99957-0-224-3
978-99957-0-227-4
978-99957-0-228-1
978-99957-0-229-8
978-99957-0-230-4
978-99957-0-231-1
978-99957-0-233-5
978-99957-0-237-3
978-99957-0-238-0
978-99957-0-239-7
978-99957-0-240-3
978-99957-0-243-4
978-99957-0-244-1
978-99957-0-246-5
978-99957-0-247-2
978-99957-0-248-9
978-99957-0-249-6
978-99957-0-250-2
978-99957-0-251-9
978-99957-0-252-6
978-99957-0-253-3
978-99957-0-254-0
978-99957-0-255-7
978-99957-0-256-4
978-99957-0-257-1

978-99932-0-735-1
978-99932-0-741-2
978-99932-0-744-3
978-99932-0-746-7
978-99932-0-747-4
978-99932-0-748-1
978-99932-0-749-8
978-99932-0-750-4
978-99932-0-751-1
978-99932-0-752-8
978-99932-0-755-9
978-99932-0-756-6
978-99932-0-759-7
978-99932-0-762-7
978-99932-0-763-4
978-99932-0-765-8
978-99932-0-766-5
978-99932-0-774-0
978-99932-0-776-4
978-99932-0-790-0
978-99932-0-793-1
978-99932-0-797-9
978-99932-0-799-3
978-99932-0-801-3
978-99932-0-802-0
978-99932-0-803-7
978-99932-0-804-4
978-99932-0-805-1
978-99932-0-806-8
978-99932-0-807-5
978-99932-0-808-2
978-99932-0-809-9
978-99932-0-810-5
978-99932-0-811-2
978-99932-0-812-9
978-99932-0-813-6
978-99932-0-814-3
978-99932-0-815-0
978-99932-0-816-7
978-99932-0-817-4
978-99932-0-818-1
978-99932-0-819-8
978-99932-0-821-1
978-99932-0-824-2

978-99957-0-258-8
978-99957-0-259-5
978-99957-0-263-2
978-99957-0-265-6
978-99957-0-267-0
978-99957-0-268-7
978-99957-0-280-9
978-99957-0-283-0
978-99957-0-284-7
978-99957-0-287-8
978-99957-0-290-8
978-99957-0-291-5
978-99957-0-292-2
978-99957-0-294-6
978-99957-0-295-3
978-99957-0-296-0
978-99957-0-298-4
978-99957-0-301-1
978-99957-0-302-8
978-99957-0-304-2
978-99957-0-306-6
978-99957-0-307-3
978-99957-0-308-0
978-99957-0-309-7
978-99957-0-310-3
978-99957-0-311-0
978-99957-0-312-7
978-99957-0-313-4
978-99957-0-315-8
978-99957-0-318-9
978-99957-0-319-6
978-99957-0-321-9
978-99957-0-325-7
978-99957-0-326-4
978-99957-0-334-9
978-99957-0-338-7
978-99957-0-344-8
978-99957-0-345-5
978-99957-0-348-6
978-99957-0-349-3
978-99957-0-351-6
978-99957-0-355-4
978-99957-0-358-5
978-99957-0-361-5
978-99957-0-362-2
978-99957-0-364-6
978-99957-0-365-3
978-99957-0-370-7
978-99957-0-374-5
978-99957-0-375-2
978-99957-0-376-9

978-99957-0-382-0
978-99957-0-383-7
978-99957-0-384-4
978-99957-0-385-1
978-99957-0-386-8
978-99957-0-387-5
978-99957-0-388-2
978-99957-0-389-9
978-99957-0-390-5
978-99957-0-391-2
978-99957-0-392-9
978-99957-0-399-8
978-99957-0-400-1
978-99957-0-401-8
978-99957-0-402-5
978-99957-0-403-2
978-99957-0-404-9
978-99957-0-405-6
978-99957-0-407-0
978-99957-0-409-4
978-99957-0-410-0
978-99957-0-411-7
978-99957-0-412-4
978-99957-0-413-1
978-99957-0-415-5
978-99957-0-417-9
978-99957-0-418-6
978-99957-0-419-3
978-99957-0-420-9
978-99957-0-421-6
978-99957-0-422-3
978-99957-0-424-7
978-99957-0-426-1
978-99957-0-428-5
978-99957-0-430-8
978-99957-0-434-6
978-99957-0-436-0
978-99957-0-438-4
978-99957-0-439-1
978-99957-0-440-7
978-99957-0-441-4
978-99957-0-446-9
978-99957-0-447-6
978-99957-0-448-3
978-99957-0-449-0
978-99957-0-450-6
978-99957-0-451-3
978-99957-0-454-4
978-99957-0-455-1
978-99957-0-456-8
978-99957-0-457-5

978-99957-0-458-2
978-99957-0-460-5
978-99957-0-461-2
978-99957-0-462-9
978-99957-0-463-6
978-99957-0-466-7
978-99957-0-469-8
978-99957-0-470-4
978-99957-0-473-5
978-99957-0-475-9
978-99957-0-476-6
978-99957-0-479-7
978-99957-0-485-8
978-99957-0-488-9
978-99957-0-489-6
978-99957-0-491-9
978-99957-0-492-6
978-99957-0-495-7
978-99957-0-496-4
978-99957-0-499-5
978-99957-0-500-8
978-99957-0-502-2
978-99957-0-504-6
978-99957-0-508-4
978-99957-0-511-4
978-99957-0-512-1
978-99957-0-513-8
978-99957-0-514-5
978-99957-0-515-2
978-99957-0-516-9
978-99957-0-517-6
978-99957-0-520-6
978-99957-0-522-0
978-99957-0-523-7
978-99957-0-524-4
978-99957-0-525-1
978-99957-0-526-8
978-99957-0-528-2
978-99957-0-532-9
978-99957-0-533-6
978-99957-0-537-4
978-99957-0-539-8
978-99957-0-540-4
978-99957-0-541-1
978-99957-0-542-8
978-99957-0-544-2
978-99957-0-546-6
978-99957-0-550-3

